



“ਸਮਰਥ ਗੁਰੂ”

“ੴ ਐਕ ਔਂਕਾਰ ਸਤਿਗੁਰੁ ਪ੍ਰਸਾਦਿ”

- “ਆਵਹੁ ਮਿਲਹੁ ਸਹੇਲੀਹੋ ਸਚੜਾ ਨਾਮੁ ਲਏਹਾਂ । ਰੋਵਹੁ ਬਿਰਹਾ ਤਨ ਕਾ ਆਪਣਾ ਸਾਹਿਬੁ ਸਮਾਲੇਹਾਂ । ਸਾਹਿਬੁ ਸਮਾਲਿਹ ਪਥ ਨਿਹਾਲਿਹ ਅਸਾ ਭੀ ਓਥੈ ਜਾਣਾ । ਜਿਸ ਕਾ ਕੀਆ ਤਿਨ ਹੀ ਲੀਆ ਹੋਆ ਤਿਸੇ ਕਾ ਭਾਣਾ । ਜੋ ਤਿਨਿ ਕਰਿ ਪਾਏਆ ਯੁ ਆਗੈ ਆਇਆ ਅਸੀ ਕਿ ਹੁਕਮੁ ਕਰੇਹਾ । ਆਵਹੁ ਮਿਲਹੁ ਸਹੇਲੀਹੋ ਸਚੜਾ ਨਾਮੁ ਲਏਹਾਂ । ॥ ਮਰਣੁ ਨ ਮੰਦਾ ਲੋਕਾ ਆਖੀਐ ਜੇ ਮਰਿ

जाणै ऐसा कोई । सेविहु साहिबु सम्रथु आपणा पंथ सुहेला
आगै होई । पथि सुहेले जावहु तां फलु पावहु आगै मिलै
वडाई । भैटे सिऊ जावहु सचि समावहु तां पति लेखै पाई
। महली जाई पावहु खसमै भावहु रंग सिऊ रलीआ माणै ।
मरणु न मंदा लोकां आखीअै जे कोई मरि जाणै । 2। मरणु
मुणसा सूरिआ हकु है जो होई मरनि परवाणो । सूरै सेई
आगै आखीअहि दरगह पावहि साची माणो । दरगह माणु
पावहि पति सिऊ जावहि आगै दूखु न लागै । करि ऐकु
धिआवहु ता फलु पावहि जितु सेविअै भउ भागै । ऊचा नहीं
करणा मन महि रहणा आपे जाणै जाणो । मरणु मुणसां
सूरिआ हकु है जो होई मरहि परवाणो । 3। नानक किस नो
बाबा रोईअै बाजी है ऐहु संसारों । कीता वेखै साहिबु आपणा
कुदरति करे बीचारो । कुदरति बीचारे धारण धारे जिनि
कीआ सो जाणै । आपे वेखै आपे बूझै आपे हुकम पछाणै ।
जिनि किछु कीआ सोई जाणै ता का रुप अपारो । नानक
किस नो बाबा रोईअै बाजी है ऐहु संसारो ॥ 4। 2। (579-580)

(पाठी माँ साहिबा)

हक हक हक

RECORDING NOT AVAILABLE